BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS

COMPILED BY MEDIA CELL (02.01.2025)

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE:02.01.2025, PAGE-06

73 वर्ष का हुआ बीआरएबीयू, नये कलेवर में ढलने को तैयार

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। बीआरएबीयू 73 वर्ष का हो गया। दो जनवरी 1952 को बीआरएबीयू की स्थापना हुई थी। बीआरएबीयू के वरिष्ठ प्राध्यापक व मानवीकी संकाय के डीन प्रो. सतीश राय बताते हैं कि पहले बीआरएबीयू का नाम अंग्रेजी में यूनिवर्सिटी ऑफ बिहार और हिन्दी में बिहार विवि था। बिहार विवि का मुख्यालय पटना हुआ करता था। इसका क्षेत्र बिहार से लेकर रांची तक था। बिहार के कई बड़े कॉलेज, जिनमें नालंदा कॉलेज, टीएनबी कॉलेज भागलपुर बिहार विवि के अंतर्गत ही आते थे। वर्ष 1960 में भागलपुर और रांची विवि के बन जाने से ये दोनों अलग हो गये। 1960 में ही बिहार विवि का मुख्यालय पटना से मुजफ्फरपुर हो गया। प्रो. राय ने बताया कि भागलपुर और रांची के अलग होने के बाद जेपी विवि छपरा भी अलग होकर बना। 1961 के अंत में मगध विवि की स्थापना हुई और बिहार विवि से कटकर मिथिला विवि बना। वर्ष 1993 में बिहार विवि का नया नाम बाबा साहब भीमराव आंबेडकर बिहार विवि हुआ।

बीआरएबीयू के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने बताया कि विवि को अब नये कलेवर में ढाला जायेगा। इसके लिए सारी योजना बन गई है। विवि में कई हाइटेक लैब शुरू की जा रही है।

पहले छाता चौक और दामू चौक पर चलते थे कार्यालय

बिहार विवि का मुख्यालय जब मुजफ्फरपुर में बना तब इसके कार्यालय छाता चौक और दामू चौक में चलते थे। दोनों भवन किराये के थे। काफी बाद में बिहार विवि का प्रशासनिक भवन बना। शुरुआत में यहां कई पीजी विभाग नहीं थे। कॉमर्स और भूगोल विभाग आरडीएस कॉलेज में चलते थे। साइकोलॉजी विभाग एलएस कॉलेज में चलता था।

कई हस्तियां पढ़ चुकी हैं बीआरए बिहार विवि से

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय से कई हस्तियां पढ़ चुकी हैं। प्रो. सतीश राय ने बताया कि बिहार विश्वविद्यालय से पढ़े हुए अशोक कुमार सिन्हा राज्य के मुख्य सचिव बने थे। इनके अलावा साहित्यकार अनामिका, पूर्व कुलपति प्रो. श्याम नंदन किशोर, प्रो. रिपुसूदन श्रीवास्तव भी यहीं से पढ़े हैं। आईएएस आईसी कुमार भी बिहार विवि के ही छात्र रहे हैं।

रजिस्ट्रार प्रो. अपराजिता कृष्ण ने बताया कि विवि को राज्य में सभी विश्वविद्यालयों से आगे लाने के लिए काम किया जा रहा है।

विवि में सौ से अधिक कॉलेज : बीआरएबीयू में अब 100 से अधिक डिग्री कॉलेज हैं। बिहार विवि में अब भी राज्य के सभी होम्योपैथ और आयुर्वेद कॉलेज आते हैं। बिहार विवि में हर साल स्नातक में डेढ़ लाख छात्रों का दाखिला होता है। कुल छात्रों की संख्या लगभग पांच लाख रहती है। बिहार विवि में बीएड के 63 कॉलेज हैं। विवि में डिग्री कोर्स के अलावा एमबीए और एमसीए की भी पढ़ाई हो रही है।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR
DATE: 02.01.2025, PAGE-06

विवि वेतन मद से शिक्षकों को करें भुगतान : उपसचिव

मुजफ्फरपुर,प्रसं। बजट में स्वीकृति नहीं मिलने से बीआरएबीयू समेत अन्य विश्वविद्यालयों के नवनियुक्त शिक्षकों का वेतन लटक गया है। इसपर सरकार के उपसचिव अमित कुमार पुष्पक ने एक निर्देश जारी कर कहा है कि विश्वविद्यालयों में वेतन मद में उपलब्ध राशि से ऐसे शिक्षकों के वेतन का भुगतान किया जाय। ये शिक्षक बिहार लोक सेवा आयोग एवं बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग द्वारा चयनित हैं।

उपसचिव ने कहा है कि विभिन्न स्त्रोतों से और विश्वविद्यालयों के साथ बैठकों में यह बात सामने आई है कि शिक्षकों के वेतन भुगतान को लेकर पूर्व से बजट स्वीकृत नहीं रहने के कारण ऐसा हुआ है। ऐसे शिक्षकों के वेतन भुगतान में विश्वविद्यालयों को कठिनाई आ रही है। विश्वविद्यालयों द्वारा अनुरोध किया गया है कि ऐसे शिक्षकों के वेतन भुगतान की व्यवस्था की जाय। इस परिस्थिति में निर्देश दिया जाता है कि विश्वविद्यालयों में वेतन मद में उपलब्ध राशि से ऐसे शिक्षकों के वेतन का भुगतान किया जाय।

वेतन भुगतान से पूर्व इन सभी शिक्षकों का प्राण नम्बर प्राप्त कर नियुक्त एवं नियोक्ता के अंशदान की कटौती करते हुए संबंधित प्राधिकार में जमा कराया जाएगा। विश्वविद्यालय द्वारा समतुल्य राशि की मांग अलग से की जायेगी।

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR
DATE : 02.01.2025, DATE-06

बीआरएबीयू: लॉ कोर्स में दाखिला प्रक्रिया आज से

मुजफ्फरपुर। बीआरएबीयू में तीन वर्षीय एलएलबी एवं पांच वर्षीय प्री-लॉ कोर्स में दाखिला गुरुवार से शुरू होगा। विवि के 10 कॉलेजों में इन कोर्सों की पढ़ाई होती है। पहली मेरिट सूची में 852 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है।

इन अभ्यर्थियों को 10 जनवरी तक आवंटित कॉलेज में नामांकन लेना है। नामांकन की रिपोर्ट सभी कॉलेजों को 11 जनवरी तक विवि को भेज देनी है। यदि पहली सूची के सभी अभ्यर्थी नामांकन नहीं लेते हैं तो रिक्त सीटों पर दूसरी मेरिट सूची जारी की जा सकती है। विवि सूत्रों ने बताया कि सत्र विलंब होने के कारण कई छात्रों ने अन्य प्रदेशों के संस्थानों में दाखिला ले लिया है। एलएलबी में 1100 से अधिक एवं प्री-लॉ में 700 से अधिक सीटें हैं।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE : 02.01.2025, PAGE-06

विश्वविद्यालय में शोध के लिए मनोविज्ञान में 300 से अधिक तो हिंदी में 299 सीटें

प्रशांत कुमार • जागरण

मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में शोध के लिए मनोविज्ञान में 300 से अधिक तो हिंदी में 299 सीटें रिक्त हैं। वहीं कई विषय ऐसे हैं जिसमें एक भी सीट खाली नहीं हैं। इसमें कामर्स, संगीत व समाजशास्त्र जैसे विषय हैं। पीजी विभागों की ओर से विश्वविद्यालय को पिछले दिनों विषयवार रिक्तियां उपलब्ध कराई गई थी। दूसरी ओर विश्वविद्यालय की ओर से बताया गया है कि कामर्स में करीब 10 सीटें उपलब्ध कराए जाने पर सहमति बनी है। कई विषय ऐसे भी हैं जिसमें सीटें उपलब्ध नहीं हैं लेकिन पैट 2022 की परीक्षा में उसमें अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए हैं। साथ ही इन विषयों में नेट या जेआरएफ उत्तीर्ण अभ्यर्थी भी शामिल हैं। पीजी विभागों से उपलब्ध कराई गई रिक्तियों में भोजपुरी में छह, बाटनी में 25, रसायनशास्त्र में 46, अर्थशास्त्र में 30, अंग्रेजी में 55, भूगोल में 12, हिंदी में 299 इतिहास में 16, होम साइंस में 10, मैथिली में 16, मैनेजमेंट में पांच, संगीत में शून्य, दर्शनशास्त्र में 70, भौतिकी में 12, राजनीति विज्ञान में 59, मनोविज्ञान में 300 से अधिक,संस्कृत में 52, समाजशास्त्र में शून्य, उर्दू में 90 और जूलाजी में 15 सीटें उपलब्ध हैं। पैट 2022 के लिए फाइनल रिजल्ट जारी करने की प्रक्रिया में देरी हो रही है। करीब दो महीने से अधिक इसकी प्रक्रिया चल रही है, लेकिन अभी तक अंतिम परिणाम जारी नहीं किया जा सका है। दूसरी ओर विश्वविद्यालय के अधिकारी ने बताया कि फाइनल रिजल्ट जारी करने की प्रक्रिया चल रही है। जल्द से जल्द इसे जारी कर दिया जाएगा। पैट 2022 का फाइनल रिजल्ट जारी करने की प्रक्रिया के तहत सबसे पहले अभ्यर्थियों के एकेडमिक प्वाइंट की गणना पूरी कर ली गई है। इसके बाद विषयवार रिक्ति और रिजल्ट के आधार पर रोस्टर का निर्धारण करते हुए फाइनल रिजल्ट जारी किया जाना है। रोस्टर निर्धारण के लिए पहले ही समिति का गठन किया जा चुका है। एकेडमिक प्वाइंट की गणना होने के बाद रोस्टर निर्धारण की प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण फाइनल रिजल्ट में देरी हो रही है। कुल 100 अंकों के स्केल पर फाइनल मेरिट लिस्ट तैयार होना है। इसमें पीजी के प्राप्तांक पर अधिकतम 70 अंकों का वेटेज दिए जाने का प्रविधान है, अगर किसी अभ्यर्थी को पीजी में 50 से 55 प्रतिशत से कम अंक है तो उसे 40 अंक, 55 से 60 प्रतिशत अंक पर 45, 60 से 65 प्रतिशत प्राप्तांक पर 50, 65 से 70 प्रतिशत अंक पर 55, 70 से 75 प्रतिशत पर 60 और 75 से 80 प्रतिशत पर 65 और 80 प्रतिशत से अधिक अंक पर 70 अंकों का वेटेज दिया जाता है। नेट, बेट की योग्यता रखने वाले अभ्यर्थी को पांच अंक दिया जाता है। जेआरएफ के बदले उसे 10 अंक मिलते हैं। इंटरव्यू के लिए कुल 20 अंकों का निर्धारण किया गया है।

6 सीट भोजपुरी में, बाटनी में 25, रसायनशास्त्र में 46 व अर्थशास्त्र में 30 सीटें हैं रिक्त

2022 पैट के लिए फाइनल रिजल्ट जारी करने की प्रक्रिया में देरी

2 महीने से अधिक समय से चल रही प्रक्रिया, अभी तक अंतिम परिणाम जारी नहीं

इन विषयों में यह है स्थिति

कामर्स	00
संगीत	00
समाजशास्त्र	00
कंप्यूटर एप्लीकेशन	00

विषयवार रिक्त सीटें

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR
DATE : 02.01.2025, PAGE-06

बीआरएबीयू में स्किल कोर्स की होगी शुरुआत

मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के पीजी विभागों से लेकर कालेजों में स्किल आधारित कोर्स की शुरुआत होगी। इसको लेकर यूजीसी यानी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने उच्च शिक्षण संस्थानों, शिक्षाविदों से सुझाव मांगा है। बाजार की जरूरतों के लिए डाटा एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, डिजिटल मार्केटिंग से लेकर कृषि से जुड़े कोर्स का प्रस्ताव है। (जास)

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR
BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR
PIN-842001 (BIHAR)
Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE:02.01.2025, PAGE-04

विवि के संस्थापक कुलपति की मनी जयंती

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति रहे पद्मभूषण व मुजफ्फरपुर के प्रथम सांसद राय बहादुर श्याम नंदन सहाय की 125वीं जयंती के मौके पर बुधवार को विवि के केंद्रीय पुस्तकालय में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया. श्याम नंदन सहाय स्मृति समिति की ओर से आयोजित कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष वरीय अधिवक्ता अभय कुमार ने कहा कि संस्थापक कुलपति श्यामनंदन सहाय आजीवन शिक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करते रहे. तिरहुत शारीरिक शिक्षण महाविद्यालय के संयुक्त सचिव व शासी निकाय सदस्य मनीष कुमार ने कहा कि वे आजादी के बाद मुजफ्फरपुर के प्रथम व द्वितीय सांसद रहे. विजय वर्मा ने कहा कि श्यामनंदन सहाय बिहार लेजिस्लेटिव काउंसिल के सदस्य रहे. डॉ निखिलेश चंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि वे बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के भी अध्यक्ष रहे. माल्यार्पण करने वाले में राजेश कुमार, अजय कुमार यादव, संजीत यादव, अंजनी कुमार, सौरभ कुमार, मनीष वर्मा, शुभम कुमार, नवल श्रीवास्तव समेत अन्य मौजूद थे.

विवि के केंद्रीय पुस्तकालय में माल्यार्पण करते अतिथि.

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE : 02.01.2025, PAGE-04

यूजीसी ने उच्च शिक्षण संस्थानों, शिक्षाविदों व आम लोगों से मांगा सुझाव

बाजार की मांग के अनुसार स्नातक व पीजी में शुरू होंगे स्किल बेस्ड कोर्स

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

- एआइ, डेटा एनालिटिक्स, डिजिटल मार्केटिंग से लेकर फीचर लेखन व कृषि से जुड़े कोर्स को भी किया जाना है शुरू

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय और इससे संबद्ध सभी कॉलेजों के साथ ही देशभर में स्नातक और पीजी स्तर पर संचालित ट्रेडिशनल कोर्स के विद्यार्थी अब स्किल बेस्ड कोर्स से भी जुड़ेंगे. इसको लेकर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने मसौदा तैयार किया है. इसे उच्च शिक्षण संस्थानों, आम लोगों और शिक्षाविदों के लिए जारी करते हुए 30 दिनों के भीतर इसपर सुझाव मांगा गया है. यूजीसी के सचिव मनीष आर.जोशी के अनुसार माइक्रो क्रेडेंशियल की शुरुआत से युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे. सैद्धांतिक कोर्स के साथ ही छात्र स्किल्ड बनेंगे. स्किल बेस्ड कोर्स के रूप में विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स, डिजिटल मार्केटिंग, साहित्यिक पत्रकारिता और फीचर लेखन, टिकाऊ कृषि, डिजिटल भुगतान और बैंकिंग, फैशन मार्केटिंग, ई-कॉमर्स आदि क्षेत्रों को शामिल किया गया है. कहा गया है कि छात्र-छात्राएं अब इन क्षेत्रों में इंटर्नशिप और इसके बाद रोजगार प्राप्त कर सकते हैं. इस कोर्स के तहत थ्योरी में एक क्रेडिट के लिए 15 घंटे, प्रैक्टिकल में एक क्रेडिट के लिए 30 घंटे और एक्सपीरियंशियल लर्निंग में एक क्रेडिट के लिए 40-45 घंटे देने होंगे.

प्रोडक्टिविटी बढ़ाने और इंडस्ट्री को संस्थानों से जोड़ने की पहल :

सैद्धांतिक व स्किल बेस्ड कोर्स को एक प्लेटफॉर्म पर लाने का उद्देश्य यह है कि इससे छात्र-छात्राओं को बाजार की जरूरतों के अनुसार तैयार किया जाएगा. इससे प्रोडक्टिविटी बढ़ेगी. इसको लेकर स्थानीय स्तर की इंडस्ट्री को संस्थानों से जोड़ने को लेकर पहल की जाएगी. भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ावा देने के साथ ही ऑन जॉब प्रशिक्षण, इंटर्नशिप और स्किल बेस्ड कोर्स को शुरू करने के लिए यूजीसी ने यह पहल की है.

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE:02.01.2025, PAGE-04

सत्र नियमित करने को लेकर जनवरी व अगस्त में लिया जाएगा दो सत्रों में दाखिला

पीजी में दाखिले के लिए खुलेगा पोर्टल, इस वर्ष दो सत्रों में नामांकन

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

- 10 कॉलेजों के लिए कुल 852 अभ्यर्थियों का नाम प्रथम सूची में किया गया है शामिल
- बड़ी संख्या में कॉलेजों में सीटें रिक्त रह जाएंगी, 10 जनवरी तक नामांकन का समय

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय की ओर से पीजी सत्र 2024-26 में दाखिले के लिए एक सप्ताह के भीतर पोर्टल खुल जाएगा. नामांकन की प्रक्रिया शुरू करने को लेकर तैयारी की जा रही है. पीजी का सत्र एक वर्ष विलंब से चल रहा है. ऐसे में विश्वविद्यालय की ओर से इसे पटरी पर लाने के लिए इस वर्ष दो-दो सत्र में नामांकन लेने की योजना है. 2024-26 सत्र में जनवरी में दाखिला लिया जाएगा. स्नातक सत्र 2022-25 का परिणाम जुलाई तक जारी हो जाने की स्थिति में अगस्त में 2025-27 सत्र में दाखिला लिया जाएगा. विश्वविद्यालय की ओर से बताया गया कि नामांकन के लिए ऑनलाइन आवेदन से लेकर मेधा सूची जारी करने, नामांकन और कक्षाओं का संचालन शुरू करने का पूरा शेड्यूल तैयार किया जा रहा है. इसी के अनुसार प्रक्रिया शुरू की जाएगी.

विशेष परीक्षा की कॉपियों की जांच अबतक शुरू नहीं

मुजफ्फरपुर. बीआरए बिहार विश्वविद्यालय की ओर से बीते महीने समाप्त हुई स्नातक प्रथम वर्ष की विशेष परीक्षा के बाद कॉपियों की जांच अबतक शुरू नहीं हो सकी है. बड़ी संख्या में इसमें शामिल छात्र-छात्राएं तृतीय वर्ष की परीक्षा में भी शामिल हुए हैं. ऐसे में प्रथम वर्ष की परीक्षा के परिणाम के बिना तृतीय वर्ष का परिणाम नहीं जारी हो सकता. ऐसे में छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय से शीघ्र इसका परिणाम जारी करने की मांग कर रहे हैं.

मोबाइल एप व पोर्टल से कर सकेंगे आवेदन

छात्र-छात्राओं को मोबाइल एप से भी ऑनलाइन आवेदन का विकल्प दिया जाएगा. विश्वविद्यालय की ओर से पिछले ही वर्ष अपना मोबाइल एप लांच किया गया है. इसके माध्यम से मोबाइल से भी आवेदन किया जा सकेगा. बताया गया कि स्नातक तृतीय वर्ष का परीक्षा परिणाम हाल ही में जारी किया गया है. ऐसे में छात्र-छात्राओं को आवेदन में परेशानी नहीं हो. इसको लेकर ऑनलाइन जारी अंकपत्र से ही आवेदन करने का मौका दिया जाएगा. साथ ही नामांकन तक यदि अंकपत्र नहीं मिलता है तो सशर्त दाखिला लिया जा सकता है.

नौ हजार सीटों पर लिया जाएगा दाखिला

साइंस, कॉमर्स और आर्ट्स संकाय को मिलाकर करीब नौ हजार सीटों पर पीजी में दाखिला लिया जाएगा. पिछले सत्र से कई कॉलेजों में पीजी की पढ़ाई शुरू हुई है. ऐसे में सीटों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है. पीजी में आधा दर्जन से अधिक विषयों में नामांकन के लिए सीट से 10 गुणा अधिक आवेदन आते हैं. वहीं कुछ विषयों में इक्का-दुक्का ही आवेदन प्राप्त होता है.

लॉ में चयनित अभ्यर्थी आज से ले सकेंगे दाखिला

मुजफ्फरपुर. बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के 10 कॉलेजों में तीन वर्षीय एलएलबी और पांच वर्षीय प्री लॉ कोर्स में दाखिले को लेकर गुरुवार से प्रक्रिया शुरू हो रही है. पहली सूची में चयनित 852 अभ्यर्थी इन कोर्स में नामांकन लेंगे. 10 जनवरी तक सभी संबंधित कॉलेजों को अभ्यर्थियों का नामांकन लेते हुए 11 जनवरी को विश्वविद्यालय को रिपोर्ट भेज देना है. इसके बाद रिक्त सीटों पर दूसरी सूची जारी की जा सकती है. विश्वविद्यालय की ओर से बताया गया कि पहली सूची में आवंटित कॉलेज में नामांकन लेना अनिवार्य है. यदि अभ्यर्थी आवंटित कॉलेज में दाखिला नहीं लेते हैं तो आगे उन्हें मौका नहीं दिया जाएगा. बता दें कि बीआरएबीयू में इस वर्ष से लॉ कोर्स की पढ़ाई 10 कॉलेजों में हो रही है. ऐसे में एलएलबी में कुल 11 सौ से अधिक और प्री लॉ में सात सौ से अधिक सीटें हो गयी हैं. ऐसे में यदि पहली सूची में आवंटित शत प्रतिशत अभ्यर्थी भी दाखिला ले लेते हैं तो बड़ी संख्या में सीटें रिक्त रह जाएंगी. सत्र विलंब होने के कारण भी कई छात्र-छात्राओं ने दूसरे प्रदेश के संस्थानों में दाखिला ले लिया है. ऐसे में सूची में चयनित अभ्यर्थियों में से शत प्रतिशत का नामांकन मुश्किल है.

प्रवेश परीक्षा में विलंब, परिणाम जारी करने में लग गये दो महीने : बीआरएबीयू में लॉ और प्री लॉ में दाखिले के लिए पहली बार केंद्रीकृत प्रवेश परीक्षा आयोजित की गयी थी. प्रवेश परीक्षा अक्टूबर में ली गयी. जबकि लॉ का सत्र मई-जून तक शुरू हो जाता है. तीन महीने विलंब से परीक्षा लेने के बाद विश्वविद्यालय को परिणाम जारी करने में करीब दो महीने समय लग गया.

सिलेबस पूरा करना होगा चुनौतीपूर्ण : विश्वविद्यालय की ओर से लॉ का सिलेबस पूरा कराना और इस सत्र की परीक्षाएं ससमय कराना चुनौतीपूर्ण होगा. छह महीने में सिलेबस पूरा नहीं होने और प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा नहीं होने पर अगला सत्र विलंब होगा. साथ ही इसके दूसरे सेमेस्टर और सत्र की परीक्षाएं प्रभावित होंगी.

कॉलेजों ने जारी किया कक्षाओं का शेड्यूल : विलंब से नामांकन की प्रक्रिया शुरू होने के कारण कॉलेजों ने नामांकन के ठीक दो दिन बाद से कक्षाओं का संचालन शुरू करने का निर्णय लिया गया है. कॉलेजों की ओर से इसकी अधिसूचना जारी कर दी गयी है.

इस खबर को वेबसाइट पर पढ़ने के लिए क्यू आर स्कैन करें.

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:.................... **Date:..........................**

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE : 02.01.2025, PAGE-04

छाता चौक पर सहाय भवन के एक कमरे में स्थापित हुआ था बीआरएबीयू

- 2 जनवरी 1952 को पटना विश्वविद्यालय से अलग होकर बना था बीआरएबीयू, 73 वर्षों की यात्रा में हासिल किये कई कीर्तिमान
- 1992 में बिहार विश्वविद्यालय का नाम बदलकर बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर बिहार विवि किया गया

स्थापना दिवस आज

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय दो जनवरी 2025 को 73 वर्षों का सफर पूरा कर रहा है. 2 जनवरी 1952 को यूनिवर्सिटी ऑफ बिहार की स्थापना पटना में की गयी थी. उस समय विश्वविद्यालय का मुख्यालय पटना में ही था. शिक्षाविद् व विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति डॉ श्यामनंदन सहाय के प्रयासों के बाद बीआरएबीयू का मुख्यालय मुजफ्फरपुर में आया. यहां छाता चौक स्थित सहाय भवन के एक कमरे में ही विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी थी. वर्तमान में क्षेत्रफल की दृष्टि से यह बिहार का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है. स्थिति यह है कि स्नातक में एक सत्र में यहां 1.62 लाख स्टूडेंट्स नामांकित हैं. ऐसे में सिर्फ स्नातक के छात्रों की संख्या पांच लाख से अधिक है. विश्वविद्यालय में 39 अंगीभूत, तीन राजकीय और करीब 90 संबद्ध डिग्री कॉलेजों के साथ ही 10 लॉ और 60 से अधिक बीएड कॉलेज विश्वविद्यालय से जुड़े हैं.

विश्वविद्यालय के रिकॉर्ड के अनुसार पटना विवि से अलग होकर बिहार विश्वविद्यालय की स्थापना 2 जनवरी 1952 को हुई थी. 1960 में बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर, रांची विश्वविद्यालय रांची और भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर का विभाजन किया गया. 1961 में बिहार विश्वविद्यालय से विभाजित होकर मगध विश्वविद्यालय बना. वहीं 1973 में इसी से अलग होकर ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगा की स्थापना हुई. 1990 में जयप्रकाश नारायण विश्वविद्यालय छपरा भी इसी से अलग होकर बना. 1992 से पूर्व इसकी ख्याति बिहार विश्वविद्यालय के रूप में थी. इसका नाम 1992 में बदलकर बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय किया गया.

विश्वविद्यालय का नैक मूल्यांकन व क्वालिटी रिसर्च प्राथमिकता : कुलपति

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने कहा कि विश्वविद्यालय का गौरवशाली अतीत रहा है. ऐसे में नैक मूल्यांकन और गुणवत्तापूर्ण रिसर्च के माध्यम से इसे फिर से प्राप्त करने की कोशिश की जाएगी. इस वर्ष नैक मूल्यांकन पहली प्राथमिकता है. इसमें विवि को बेहतर ग्रेड मिले इसको लेकर पूरी कोशिश होगी. पीजी विभागों में अब शिक्षकों की नियुक्ति कर दी गयी है. ऐसे में शोध कार्यों में गुणवत्ता हो इसपर पूरा फोकस होगा. विश्वविद्यालय में थ्योरी के साथ प्रायोगिक शिक्षा को भी बढ़ावा मिले, इसको लेकर सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन सेंटर और इंक्यूबेशन सेंटर की शुरुआत की जाएगी. विश्वविद्यालय में छात्रों की संख्या काफी अधिक है. ऐसे में नामांकन, परीक्षा और परिणाम समय से हो. इसको लेकर कार्ययोजना बनायी जाएगी. पेंडिंग में काफी हद तक कमी आयी है. आगे की परीक्षाओं में जीरो पेंडिंग हो. इस दिशा में कार्य होगा.